

Forfatter: Oehlenschläger, Adam

Titel: Udrag fra Poetiske Skrifter II

Citation: Oehlenschläger, Adam: "Poetiske Skrifter II", i Oehlenschläger, Adam: *Poetiske Skrifter II*, udg. af H. TOPSØE-JENSEN, 1926-1930, s. 403. Onlineudgave fra Arkiv for Dansk Litteratur: <https://tekster.kb.dk/catalog/adl-texts-oehl02val-shoot-idm140543270142768/facsimile.pdf> (tilgået 25. april 2024)

Anvendt udgave: Poetiske Skrifter II

| | | |
|----------|-------------|-------------------------|
| Side 102 | L. 9 f. o. | Nogle [nogle |
| » 113 | L. 2 f. n. | en [nu |
| » 118 | L. 11 f. n. | Mustapha [Mastapha |
| » 123 | L. 11 f. o. | Fadet [Faddet |
| » 127 | L. 11 f. n. | en [En |
| » 128 | L. 2 f. n. | er en [ea |
| » 130 | L. 9 f. o. | og af Elskov [og Elskov |
| » 132 | L. 10 f. n. | men [Men |
| » 135 | L. 2 f. n. | man [maa |
| » 139 | L. 5 f. o. | heed [saa heed |
| » 144 | L. 8 f. o. | MORGLANE [ALADDIN |
| » 145 | L. 12 f. o. | Dotter [Datter |
| » 146 | L. 12 f. n. | Og [O |
| » 149 | L. 3 f. o. | til Takke [til takke |
| » 160 | L. 1 f. n. | det [Det |
| » 176 | L. 2 f. o. | til [Til |
| » 189 | L. 7 f. o. | en Vind [Vind |
| » 204 | L. 11 f. o. | O [Og |
| » 205 | L. 12 f. o. | gyselige [gyselig |
| » 215 | L. 6 f. n. | din [den |
| » 234 | L. 7 f. o. | Saladin [Saladdin |
| » 239 | L. 14 f. o. | Aladdin [Alladdin |
| » 268 | L. 12 f. n. | stielse [steile |
| » 273 | L. 3 f. n. | subtrahert [suptrahert |
| » 275 | L. 16 f. n. | Chaos [Choas |
| » 282 | L. 6 f. n. | Tilstaelse [Tilstaelse. |
| » 285 | L. 10 f. o. | En [Een |
| » 288 | L. 5 f. n. | han betaler [betaler |
| » 297 | L. 9 f. n. | Siel, [Siell |
| » 302 | L. 14 f. o. | griber [Griber |
| » 305 | L. 6 f. n. | kunne [kunde |
| » 317 | L. 15 f. n. | skumfuldt [skamfuldt |
| » 324 | L. 12 f. n. | freidig [freidig |
| » 329 | L. 1 f. n. | vaagn [vogn |
| » 353 | L. 10 f. o. | giere [giør |
| » 354 | L. 1 f. o. | du dig [dig |
| » 354 | L. 3 f. o. | denne [den |
| » 354 | L. 9 f. o. | Vedst du [Vedst |